



Савану

13-5-20





वांते गामं ममकमां वांतां न०४८  
 वांतां रामग० पु० वांतां पालनीसव  
 रीजसकी गोला दोसकीक रीजसकी  
 नो जिला हजारीवां रवागानम  
 २६ नै० न० १ नै० न० २२

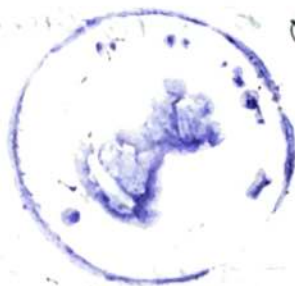
पलोत्तम १५— म० रवा १-००५२५३५  
 जिनके डी: पलोत्तम १२ डी: नाना पलोत्तम ०४०  
 पू०— म० ५०५०— श्री रामनरे म पुताद सिंह  
 जिनके आता री० मे लालपारी जरी०  
 प०— बड़ी पलोत्तम

पुनर्वत्तम:- यह के उज्जैन गमीन वजरीए  
 रजरीवा केवाता रीजसकी मीका गोला  
 तारीख २६-३-५२ डी: वसोत्रा नम १४३०  
 रज १४५२ डी: के नविस हरीनमन हुके  
 जिला चगुसपारी हुके वना लालकारी  
 हारजीमहे जो वरावर दरबलका पलेओतेहोते  
 जो वराव मालगुजारी १५५५ डी: रसीद  
 वना अपने हारजीम तौमे ओतेहोते  
 आता किन लालकारी वारी शमगुजारी  
 उज्जैन गमीन वना लालकारी के नगद

Witnesses:- Ram Narain Pasad Sirdar of  
 Bhadainagar, 13.8.65  
 Surender Nishi  
 13.8.65

with

С. Яковлев



2017

004-10-10



मूल्य सेवा का ११२७ गारहसो कीस सपेकांलके  
 आता तरीव से साव कुल हक के देना  
 वो दलालका गाना पाहने के से  
 देवाने गमीन प (लीजकारी) को  
 उनरा पिदारी तथा र-वातापन के उनके आता  
 तरीव से शरण को बारीक वो दलालका  
 होर वो हक अपने इजागार शरीर  
 आवाक दोहे इका नोहे इका सखत  
 तपदीन करके हर दिमीम आगिनी को  
 पैदावा अपने मसरफ में लाता है।  
 पाहे उनरा नर देकरी दे राक्ष से खन  
 निमाने हो इका देकरी जिस तरह से उनका  
 प्राप्त को बेतर सम के अपने मसरफ  
 में लावे। ऐसे अब लीजकारी इका इन्फोपिकारी  
 तथा र-वातापन का कोई हक इका पावे  
 इका रोरा का वादी नहीं हो वो न आइना होगा।  
 ऐसा हक से देवाना गमीन प (लीजकारी) का  
 ऐसा हक उन देकरी पारी का हा फुल कोहेगा  
 वो मालगुजारी निचे लिखे मुता बिकु खरीदा  
 निगद मालीक बेरकार वहाइ के पास हावीलनाइ  
 बनात अपने दरगिह लिता है। वो मूल्य  
 गजद बरल जाना। इस पाले बिकुपन  
 होसे के लिता निता दे वलन प शीत ओवे  
 उद (गमीनारी) वो हो साधा (अचल पारामु  
 मालगुजारी १-५२ पाले

Suresh Nath -  
 13.8.65

निपुण को राक्षीज निगद (पार)  
 सावनीम (पार) नि (पार)  
 उद पदनी ११०१३-१५५५

तरीव १२ नोव्ह माह गजाल सन १३५५  
 मु गजाल / -